पंजाब केसरी
FRI,30 JANUARY 2026
EDITION: HIMACHAL , PAGE NO. 5

परीक्षा केंद्रों की होगी लाइव मॉनीटरिंग, नकल पर नजर

■ मार्च-2026 की परीक्षाओं के लिए हाईटैक रणनीति, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर जोर

धर्मशाला, 29 जनवरी (प्रियंका): हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड मार्च-2026 में आयोजित होने वाली वार्षिक परीक्षाओं को पूरी तरह नकल मुक्त, पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की दिशा में तकनीक आधारित ठोस कदम उठाने जा रहा है।

बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि बोर्ड की सर्वोच्च प्राथमिकता छात्रों के भविष्य की सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था में जनता के विश्वास को मजबूत करना है। इसी उद्देश्य से इस बार परीक्षा संचालन के लिए बहु स्तरीय निगरानी व्यवस्था लागू की गई है।

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने बताया कि इस वर्ष पहली बार परीक्षा केंद्रों की लाइव वीडियो मॉनीटरिंग की जाएगी। इसके लिए बोर्ड मुख्यालय में एक अत्याधुनिक सर्विलांस कंट्रोल रूम स्थापित किया

गया है। इस कंट्रोल रूम से अधिकारी सीधे परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर नजर रखेंगे ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जा सके और परीक्षार्थियों को भयमुक्त वातावरण मिल सके।

संस्कारयुक्त एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर

बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने कहा कि शिक्षा बोर्ड केवल परीक्षाएं आयोजित करने वाली संस्था नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य की नींव रखने वाला संस्थान है।

उन्होंने शिक्षकों, अभिभावकों और समाज से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि ईमानदार परीक्षा प्रणाली और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित हिमाचल का आधार है।

उड़नदस्तों को सख्त निर्देश, जीरो टॉलरैंस नीति लागू

नकल जैसी कुप्रथाओं पर रोक लगाने के लिए बोर्ड ने फ्लाइंग स्क्वायड (उड़नदस्तों) की व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया है। डा. शर्मा ने बताया कि जिला स्तरीय अधिकारियों के नेतृत्व में शिक्षा विभाग एवं बोर्ड स्तर के विशेष दस्ते तैनात किए गए हैं, जो परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण करेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अनुशासनहीनता के किसी भी मामले में जीरो टॉलरैंस नीति अपनाई जाएगी।

Divya Himachal 30-01-2026

परीक्षा केंद्रों की लाइव मॉनिटरिंग

वार्षिक परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए बोर्ड अध्यक्ष ने बनाई हाईटेक रणनीति, पारदर्शी व्यवस्था पर जोर

दिव्य हिमाचल ब्यूरो-धर्मशाला

राजेश शर्मा

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड इस वर्ष की वार्षिक परीक्षाओं को पूरी तरह पारदर्शी और नकल मुक्त बनाने के लिए नई तकनीक का सहारा लेने जा रहा है। बोर्ड अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने उच्च अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि बोर्ड की प्राथमिकता छात्रों के भविष्य की सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था में जनता के विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करना है। मार्च-2026 की परीक्षाओं को निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए बोर्ड ने इस बार बहु-स्तरीय और तकनीक आधारित पुख्ता इंतजाम किए हैं। इस वर्ष पहली बार बोर्ड द्वारा परीक्षा केंद्रों की लाइव वीडियो मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए बोर्ड मुख्यालय में एक अत्याधुनिक सर्विलांस कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यहां से अधिकारी सीधे परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखेंगे। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता पर तुरंत संज्ञान लेना और परीक्षार्थियों को एक भय-मुक्त वातावरण उपलब्ध कराना है। नकल जैसी कुप्रथाओं पर सख्ती से रोक लगाने के लिए बोर्ड ने फ्लाइंग स्क्वाड की ड्यूटी को और अधिक प्रभावी बनाया है। प्रशासनिक स्तर पर जिला-स्तरीय अधिकारियों के नेतृत्व में शिक्षा विभाग और बोर्ड स्तर के विशेष उड़नदस्तों को तैनात किया गया है।

उड़नदस्तों को निर्देश

डा. शर्मा ने सभी उड़नदस्तों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करें। अनुशासनहीनता के किसी भी मामले में बोर्ड जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करेगा।

सहयोग की अपील

डा. राजेश शर्मा ने दोहराया कि शिक्षा बोर्ड केवल परीक्षाएं आयोजित करने वाली संस्था मात्र नहीं है, बल्कि यह छात्रों के भविष्य की नींव रखने वाला संस्थान है। उन्होंने समाज, शिक्षकों और अभिभावकों से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि एक ईमानदार परीक्षा व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही सशक्त और आत्मनिर्भर हिमाचल का आधार बनेगी।

समय पर मिलेंगी किताबें

आगामी शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों पर बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप नई और संशोधित पाठ्य-पुस्तकों की छपाई का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। ये पुस्तकें अधिक व्यावहारिक और छात्र-केंद्रित बनाई गई हैं। बोर्ड ने सुनिश्चित किया है कि नए सत्र के शुरू होने से पहले ही सभी विद्यालयों तक पुस्तकों की आपूर्ति समय पर कर दी जाए, जिससे छात्रों की पढ़ाई में कोई बाधा न आए।

Dainik Jagran 30-01-2026

परीक्षा केंद्रों की पहली बार होगी लाइव मानिटरिंग

स्कूल शिक्षा बोर्ड कार्यालय में स्थापित किया सर्विलांस कंट्रोल रूम : डा. राजेश शर्मा

- वार्षिक परीक्षाओं में नकल रोकने के लिए शिक्षा विभाग और बोर्ड स्तर के विशेष दस्ते तैनात होंगे
- शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष बोले-स्कूलों को समय पर उपलब्ध करवा दी जाएंगी नई पाठ्य-पुस्तकें

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड इस वर्ष की वार्षिक परीक्षाओं को पूरी तरह से पारदर्शी और नकलमुक्त बनाने के लिए तकनीक का सहारा लेने जा रहा है। अध्यक्ष डा. राजेश शर्मा ने उच्च अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि बोर्ड की प्राथमिकता विद्यार्थियों के भविष्य की सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था में जनता के विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करना है। मार्च 2026 की परीक्षाओं को निष्पक्ष ढंग से करवाने के लिए बोर्ड ने इस बार बहुस्तरीय और तकनीक आधारित पुख्ता इंतजाम किए हैं।

बैठक में लिए निर्णय के अनुसार, इस वर्ष पहली बार बोर्ड की ओर से परीक्षा केंद्रों की लाइव वीडियो मानिटरिंग की जाएगी। इसके लिए बोर्ड मुख्यालय में एक अत्याधुनिक सर्विलांस कंट्रोल रूम स्थापित किया है। यहां से अधिकारी सीधे परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखेंगे। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता पर तुरंत संज्ञान लेना और परीक्षार्थियों को एक भयमुक्त एवं निष्पक्ष वातावरण उपलब्ध करवाना है। नकल पर रोक लगाने के लिए बोर्ड ने फ्लाइंग स्क्वाड (उड़नदस्तों) की ड्यूटी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया है। प्रशासनिक स्तर पर जिलास्तरीय अधिकारियों के नेतृत्व में शिक्षा विभाग और बोर्ड स्तर के विशेष दस्तों को तैनात किया जाएगा। डा. शर्मा ने सभी उड़नदस्तों को निर्देश दिए हैं कि वे परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर तत्काल रिपोर्ट दें। अनुशासनहीनता के किसी भी मामले में बोर्ड 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर काम करेगा।

शैक्षणिक सत्र 2026-27 की तैयारियों पर चर्चा करते हुए बोर्ड अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप नई और संशोधित पाठ्य-पुस्तकों की छपाई का कार्य लगभग पूरा हो चुका है। ये पुस्तकें अधिक व्यावहारिक और छात्र-केंद्रित बनाई हैं। बोर्ड ने सुनिश्चित किया है कि नए सत्र के शुरू होने से पहले ही सभी विद्यालयों तक पुस्तकों की आपूर्ति समय पर कर दी जाएगी।

संस्कारयुक्त और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर बल

डा. राजेश शर्मा ने दोहराया कि शिक्षा बोर्ड केवल परीक्षाएं आयोजित करने वाली संस्था नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के भविष्य की नींव रखने वाला संस्थान है। उन्होंने समाज, शिक्षकों और अभिभावकों का सहयोग के लिए आह्वान किया। कहा, एक ईमानदार परीक्षा व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही सशक्त और आत्मनिर्भर हिमाचल का आधार बनेगी।

डा. राजेश शर्मा • जागरण आर्काइव

सीबीएसई स्कूलों में पहले साल प्रदेश बोर्ड लेगा परीक्षा

130 सरकारी स्कूलों पर सरकार ने लिया निर्णय, संबंधित स्कूलों को किया सूचित

2028 में सीबीएसई बोर्ड करवाएगा परीक्षा एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम पढ़ेंगे

- रोहित ठाकुर, शिक्षा मंत्री।

राज्य ब्यूरो, जागरण • शिमला : केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) से संबद्ध 130 सरकारी स्कूलों पर सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। इन स्कूलों में 10वीं व जमा दो कक्षा की बोर्ड परीक्षा पहले साल यानी वर्ष 2027 में हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड धर्मशाला ही आयोजित करेगा। वर्ष 2028 में दसवीं व जमा दो कक्षा की बोर्ड परीक्षा सीबीएसई करवाएगा। इस संबंध में विभाग ने उक्त स्कूलों को भी सूचित कर दिया है। सरकार ने एक साल तैयारियों के लिए रखा है ताकि इन स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को दिक्कत न आए। हालांकि इन स्कूलों में विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) का ही पढ़ाया जाएगा।

विभाग का तर्क है कि सरकारी स्कूलों में भी यही पाठ्यक्रम पढ़ाया जाता है। इसमें कुछ प्रतिशत जो राज्य का अनिवार्य पाठ्यक्रम पढ़ाया जाता है उस पर अभी निर्णय होना बाकी है। सरकार ने इन स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती के लिए प्रक्रिया तेज कर दी है। विभाग इन स्कूलों के लिए शिक्षकों का सब कैडर बनाने जा रहा है। सब कैडर में आने के लिए शिक्षकों को परीक्षा देनी होगी। यह परीक्षा भी स्कूल शिक्षा बोर्ड ही आयोजित करेगा। निदेशालय ने परीक्षा आयोजित के लिए बोर्ड को पत्र भेजा है। परीक्षा के लिए शिक्षकों की श्रेणी और विषय के अनुसार अलग-अलग प्रश्नपत्र तैयार किए जाएंगे।

सीबीएसई से संबद्ध प्रदेश के सरकारी स्कूलों में बोर्ड की पहली परीक्षा 2028 में होगी। अभी 100 स्कूलों को संबद्धता मिल चुकी है। बोर्ड की परीक्षा एक साल बाद करवाई जाएगी। पहले साल परीक्षा स्कूल शिक्षा बोर्ड ही आयोजित करेगा।

देश के कई राज्यों में सरकारी स्कूलों को सीबीएसई से संबद्धता दिलाई गई थी। विभाग की टीम हाल ही में आंध्र प्रदेश के दौरे पर गई थी। वहां पर सुविधाओं को जांचा गया। पता चला है कि वहां पर यह प्रयोग ज्यादा सफल नहीं हुआ है। वहां क्या खामियां रहीं उसे भी देखा जा रहा है। सरकार ने तय किया है कि इस साल केवल 130 से 133 के करीब स्कूलों को ही सीबीएसई से संबद्धता दिलाई जाएगी। अभी तक 100 स्कूलों को संबद्धता मिल चुकी है, जबकि अन्य की प्रक्रिया जारी है। विभाग का तर्क है कि शिक्षकों का कैडर इस साल के लिए निर्धारित कर दिया है। अगले साल यदि इसमें बढ़ोतरी करनी होगी तो विस्तार किया जा सकता है। इन स्कूलों में शिक्षक व विद्यार्थी दोनों के लिए ड्रेस कोड लागू होगा। विभाग ने इसका प्रस्ताव सरकार की मंजूरी के लिए भेज दिया है। ड्रेस के रंग संयोजन और स्कूलों के लोगो को भी मंजूरी दी जा सकेगी।

Himachal Dastak 30-01-2026

परीक्षाओं में नकल करने वालों पर पैनी नजर रखेगा शिक्षा बोर्ड

पहली बार परीक्षा केंद्रों की होगी लाइव मॉनिटरिंग

हिमाचल दस्तक ब्यूरो ▮ धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड इस वर्ष की वार्षिक परीक्षाओं को पूरी तरह पारदर्शी और नकल मुक्त बनाने के लिए तकनीक का सहारा लेने जा रहा है। शिक्षा बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने उच्च अधिकारियों के साथ आयोजित समीक्षा बैठक में स्पष्ट किया कि बोर्ड की प्राथमिकता छात्रों के भविष्य की सुरक्षा और शिक्षा व्यवस्था में जनता के विश्वास को और अधिक सुदृढ़ करना है।

मार्च-2026 की परीक्षाओं को निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए शिक्षा बोर्ड ने इस बार बहुस्तरीय और तकनीक आधारित पुख्ता इंतजाम किए हैं। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, इस वर्ष पहली बार बोर्ड द्वारा परीक्षा केंद्रों की लाइव वीडियो मॉनिटरिंग की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए बोर्ड मुख्यालय में एक अत्याधुनिक सर्विलांस कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यहां से अधिकारी सीधे परीक्षा केंद्रों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखेंगे। इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या अनियमितता पर तुरंत संज्ञान लेना और परीक्षार्थियों को एक भयमुक्त एवं निष्पक्ष वातावरण उपलब्ध कराना है। डॉ. राजेश शर्मा ने दोहराया कि शिक्षा बोर्ड केवल परीक्षाएं आयोजित करने वाली संस्था मात्र नहीं है, बल्कि यह छात्रों के भविष्य की नींव रखने वाला संस्थान है। उन्होंने समाज, शिक्षकों और अभिभावकों से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा कि एक ईमानदार परीक्षा व्यवस्था और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही सशक्त और आत्मनिर्भर हिमाचल का आधार बनेगी।

● बोर्ड मुख्यालय में स्थापित किया गया है अत्याधुनिक सर्विलांस कंट्रोल रूम

परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर तत्काल रिपोर्ट दें उड़नदस्ते : डॉ. राजेश

नकल जैसी कुप्रथाओं पर सख्ती से रोक लगाने के लिए बोर्ड ने फ्लाइंग स्क्वायड (उड़नदस्तों) की ड्यूटी व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया है। प्रशासनिक स्तर पर जिला स्तरीय अधिकारियों के नेतृत्व में शिक्षा विभाग और बोर्ड स्तर के विशेष दस्तों को तैनात किया गया है। डॉ. शर्मा ने सभी उड़नदस्तों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण कर तत्काल रिपोर्ट प्रस्तुत करें। अनुशासनहीनता के किसी भी मामले में बोर्ड जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करेगा।